जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 86 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 29 जनवरी, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

दिल्ली के चुनाव में भाजपा व कांग्रेस की ओर से ''लोकल फ्लेवर'' की कमी दिख रही है

दोनों पार्टियों के पास मु.मंत्री के रूप में ''प्रोजैक्ट'' करने वाला चेहरा नज़र नहीं आ रहा, भाजपा, अब तक की बाहरी व्यक्ति को मु.मंत्री के रूप में ''प्रोजैक्ट'' करने की रणनीति कामयाब नहीं होते देख, मु.मंत्री के मुद्दे पर चुप है

- कांग्रेस अब सोते से जागी है तथा राहुल गांधी ने पटपड़गंज और ओखला में रैली आयोजित की। पर, उनका रैली में हुआ भाषण ''ऑल इंडिया थीम'', जैसे अंबानी, अडानी, जातिगत जनगणना, जीएसटी, संविधान पर ही केन्द्रित रहा।
- भाजपा व कांग्रेस, केजरीवाल व आप के शासन का अंत देखना चाहते हैं, पर, दोनों के लिये यह संभव नहीं हो पा रहा कि एक दूसरे से लड़ना छोड़कर केजरीवाल को हराने पर ध्यान लगायें।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। कांग्रेस ने दिल्ली में अपना खोया हुआ आधार पुनः प्राप्त करने तथा सत्ता में वापसी की कोशिश करने का एक बहुत बड़ा अवसर खो दिया है।

यह कहना अजीब लग सकता है कि कांग्रेस ने दिल्ली के चुनावों को गम्भीरता से नहीं लिया, यही नहीं केजरीवाल के खिलाफ अजय माकन के देशद्रोही वाले बयान के कारण अपनी चुनावी सम्भावनाओं को पूरी तरह डुबो देने की सीमा तक पहुँच गई।

आम आदमी पार्टी की लोकप्रियता तेजी से घट रही है। तथा भाजपा, पिछले 26 साल से सत्ता से दूर होने के कारण, पूरी तरह निराश और हताश स्थिति में अपनी वापसी की कोशिश कर रही है।

कांग्रेस, जो गहरी नींद में सोई हुई लग रही थी, अब जाग पड़ी दिखाई दे रही है।

राहुल गांधी ने आज शाम पटपड़गंज और ओखला में दो सभाओं का सम्बोधित की। क्या पार्टी को केजरीवाल और भाजपा के खिलाफ अपना सब कुछ दाँव पर नहीं लगा देना चाहिये था और दिल्ली में अनगिनत सभाएं और रोड शो करके अपने उम्मीदवारों का समर्थन और सहयोग नहीं देना चाहिये था।

आज राहुल ने अपने भाषणों में केजरीवाल और भाजपा पर हमला तो बोला, लेकिन उनके भाषण अधिकांशतः उसी पुराने पैटर्न के ही थे-मीडिया पर हमला, भाजपा का बड़े उद्योगपतियों के हाथों में खेलना, अडानी, अम्बानी तथा अन्य बड़े व्यवसायी, जातिगत जनगणना, जीएसटी, संविधान तथा उनके ऐसे ही अन्य प्रिय विषयों पर उनके भाषण केन्द्रित रहे।

राहुल गांधी के भाषणों में स्थानीय रंग का, दिल्ली के मुद्दों का अभाव था। वे केजरीवाल के शीशमहल के खिलाफ बोले। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने दिल्ली में बिलकुल अलग ढ़ंग तथा स्वच्छ राजनीति का वादा किया था, लेकिन अन्त में वे शराब घोटाले के शिल्पी ही सिद्ध हुये तथा इसके लिये उन्हें, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा आप के अन्य नेताओं को जेल जाना पड़ा।

कांग्रेस और भाजपा दोनों ही आम आदमी पार्टी और केजरीवाल को सत्ता से हटाने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन दोनों ही पार्टियों के पास स्थानीय कद्दावर नेता नहीं हैं, जो पार्टी के चेहरे बन सकें तथा जिन्हें मुख्यमंत्री के रूप में प्रोजेक्ट किया जा सके।

भाजपा समय-समय पर बाहरी नेताओं को नेतृत्व के लिये लाती रही, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें उभरने और उठने नहीं दिया।

कांग्रेस के बहुत से दिग्गज पार्टी छोड़ गये हैं और पार्टी में अब ऐसे नेताओं का अभाव है, जिन्हें प्रोजेक्ट किया जा सके।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अधिकारी हाजिर होकर बतायें फ्लाई ओवर कब पूरा होगा'

- हाई कोर्ट ने जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास बन रहे फ्लाई ओवर के निर्माण में देरी पर एनएचएआई से जवाब मांगा।

जयपुर, 28 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनएचएआई के अधिकारियों सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को 29 जनवरी को पेश होकर बताने को कहा है कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास बन रहे फ्लाईओवर का काम कब तक पूरा कर लिया जाएगा। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश रायचंद चौधरी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान एनएचएआई की ओर से अधिवक्ता संदीप पाठक ने अदालत को बताया कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर पांच फ्लाईओवर का काम शुरू किया गया था। जिनमें से चार फ्लाईओवर बन चुके हैं और उन पर वाहनों का आवागमन भी शुरू हो चुका है। वहीं भांकरोटा पर बन रहे शेष एक फ्लाईओवर का काम अभी चल रहा है और आगामी दिनों में उसे पूरा कर लिया जाएगा।

इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि फ्लाईओवर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सैम पित्रोदा ने एक बार फिर तूफान खड़ा किया अपनी टिप्पणी से

पित्रोदा ने कहा कि जो भी, जिस देश के लोग चाहे गैर कानूनी तरीके से भारत आ रहे हों, उन्हें आने देना चाहिये

- इस बार तूफान कुछ ज्यादा ही बड़ा है, क्योंकि भाजपा तो गैर कानूनी तरीके से भारत आने वाले बांग्लादेशियों को चुनाव का बड़ा मुद्दा बना रही है, दूसरी ओर पित्रोदा इन लोगों का स्वागत करने की बात कर रहे हैं।
- इसके पहले उन्होंने विवादास्पद टिप्पणियां, 1984 के सिख विरोधी दंगों के बारे में भी की थीं कि ''हुआ सो हुआ।''
- उन्होंने यह भी कहा था राम मंदिर के निर्माण के समय, कि भारत की बड़ी समस्याएं, गरीबी व बेरोज़गारी को हल करने में मंदिर कुछ भी मदद नहीं करेगा।
- लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने यह कहा था कि नॉर्थ ईस्ट के लोग चीन के लोगों से मिलते-जुलते हैं, पश्चिमी भारत के लोग अरबवासियों की तरह दिखते हैं तथा दक्षिण भारत के लोगों की छवि अफ्रीका के निवासियों जैसी है। वे क्या संकेत कर रहे थे, यह तो वो ही जानें पर इन टिप्पणियों से भी भारतवासी काफी नाराज दिखे थे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। अप्रवासियों के बारे में अपनी टिप्पणियों के कारण सैम पित्रोदा एक बार फिर से विवादों में घिर गए हैं। पित्रोदा ने कहा है कि अवैध अप्रवासियों को भारत में रहने की इजाज़त होनी चाहिए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इसे ''शर्मनाक, अत्यधिक अपमानजनक और गैरजिम्मेदाराना'' कहा है।

बिना तारीख वाले एक वीडियो में पित्रोदा कहते सुने गए, कि ''यदि वो यहाँ आना चाहते हैं, चाहे अवैध रूप से, तो उन्हें आने दें। हमें सबको शामिल करना चाहिए। यदि हमें थोड़ी बहुत परेशानी होती है, तो कोई बात नहीं। हम शेयर (साझा) कर लेंगे, पर कोई शेयर करना नहीं चाहता है। वे अपना हिस्सा बड़े से बड़ा रखना चाहते हैं।''

पाँच फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों से पहले, भाजपा अवैध बांग्लादेशी अप्रवासियों को एक बड़ा मुद्दा बना रही है, ऐसे में स्पष्ट रूप से पित्रोदा की टिप्पणियों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि पित्रोदा ने यह टिप्पणियाँ कब की थीं। खबर लिखे जाने तक पित्रोदा की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया था।

पित्रोदा, जो ओवरसीज़ कांग्रेस के चेयरमैन हैं, कई बार राजनीतिक विवाद खड़े कर चुके हैं। गत वर्ष, लोकसभा चुनावों के दौरान उन्होंने पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी लोगों जैसी शक्ल वाला बताते हुए यह भी कहा था कि पश्चिम के लोग अरब के लोगों जैसे, उत्तर के लोग श्वेत और दक्षिण के लोग अफ्रीकियों जैसे दिखते हैं।

एक अन्य अवसर पर इनहैरिटैंस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'निजीकरण और संविदा नीति से गरीबों व बहुजनों के अधिकार छीने जा रहे हैं?'

राहुल गांधी ने नई दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया

- राहुल ने महर्षि वाल्मीकि मंदिर में दर्शन कर प्रचार अभियान शुरु किया। स्थानीय लोगों ने राहुल को साफा पहनाया। राहुल ने प्रचार के दौरान नई दिल्ली, नगर निगम के कर्मचारियों से भी मुलाकात की।
- नई दिल्ली में कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित हैं, जो तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के पुत्र हैं। उनका मुकाबला आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल और भाजपा के प्रवेश वर्मा से है।

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 28 जनवरी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित के लिए प्रचार किया जो कि नई दिल्ली सीट से आम आदमी पार्टी के चीफ अरविन्द केजरीवाल के सामने प्रत्याशी हैं। दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

उन्होंने नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों से भी बातचीत की जिन्होंने राहुल को बताया कि भाजपा की केन्द्र सरकार व आप की राज्य सरकार की नीतियों के कारण हज़ारों लोग बेरोजगार हैं।

गांधी ने सबसे पहले तो महर्षि वाल्मीकि मंदिर का दौरा किया और देश की खुशहाली, शांति व समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि ''दर्शन के बाद मैं नई दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों से मिला। उन्होंने मुझे बताया कि भाजपा की केन्द्र सरकार और आप पार्टी की राज्य सरकार की संविदा पर रोजगार देने की नीति और निजीकरण के कारण हज़ारों लोग बेरोजगार हैं तथा जो नौकरी में हैं उन्हे उचित वेतन नहीं मिल रहा है''।

राहुल ने कहा कि ''हम लगातार ये मुद्दे उठा रहे हैं कि निजीकरण और संविदा पर नौकरी देने की नीति ऐसे हथियार हैं, जिनसे गरीब और बहुजन के अधिकार छीने जा रहे हैं। हम सबसे पहले इसी मसले का समाधान करेंगे''।

वाल्मीकि कॉलोनी, मंदिर मार्ग के लोगों ने राहुल गांधी को साफा भेंट किया।

राहुल गोल मार्केट में भी स्थानीय लोगों से मिले।

नई दिल्ली में केजरीवाल कड़े मुकाबले में फंसे हुए है। उनका मुकाबला भाजपा के प्रवेश वर्मा और कांग्रेस के संदीप दीक्षित से है जो तीन कार्यकाल तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही शीला दीक्षित के पुत्र हैं।

ताहिर को मिली कस्टडी पैरोल

- 29 जनवरी से 3 फरवरी तक उन्हें रोज 12 घंटे पुलिस की निगरानी में प्रचार के लिए छोड़ा जाएगा। रात होते ही उन्हें पुनः जेल में लौटना होगा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने ताहिर हुसैन, जो दिल्ली दंगों के मामले में अंडर ट्रायल कैदी है, को मुस्तफाबाद सीट से प्रचार के लिए ''कस्टडी पैरोल'' (हिरासत पैरोल) दी है। ताहिर मुस्तफाबाद से असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ रहा है।

कस्टडी पैरोल के तहत हुसैन को 29 जनवरी से 3 फरवरी तक रोज दिन (जेल मैनुअल के अनुसार 12 घंटे के लिए) में छोड़ा जाएगा और रात में जेल लौटना होगा। इस दौरान उसे तमाम खर्च वहन करना होगा।

उसने तमाम खर्च वहन करने पर सहमति दी, जिसमें पुलिस एस्कॉर्ट वाहन का खर्च भी शामिल है। इसके अलावा भी कई शर्तें हैं, जैसे वह अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मतदान के एक सप्ताह पहले तक तीन सर्वे आप को जिता रहे हैं

सी-वोटर के सर्वे के अनुसार, महिला वोटरों में आप के लिए भारी झुकाव है, क्योंकि रेवड़ियाँ बांटने में ''आप'' का इतिहास ज्यादा ईमानदारीपूर्ण मानती हैं महिलाएं

- नैशनल कॉनफिडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी संस्थाओं द्वारा आयोजित सर्वे में 44 प्रतिशत दलित मतदाताओं से पूछने पर आप को समर्थन देने की बात कही तथा 32 प्रतिशत भाजपा और 21 प्रतिशत कांग्रेस के पक्ष में बोले।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 जनवरी। इस समय, जब दिल्ली विधानसभा चुनाव होने में केवल एक सप्ताह शेष रहा है, मतदाताओं के मन में सबसे ऊपर एक ही प्रश्न है: क्या आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में बनी रहेगी या भाजपा अथवा कांग्रेस इसे सत्ता से बेदखल कर देंगे? राष्ट्रीय राजधानी के भाग्य का फैसला 5 फरवरी को होने वाले मतदान और 8 फरवरी को घोषित होने वाले उसके परिणाम से ही होगा।

चुनाव-पूर्व के सर्वेक्षणों ने संभावित परिणामों की जानकारी दी है। सर्वेक्षणों तथा भविष्यवाणियों में काँटे की टक्कर बताई गई है, जिसमें आप को उल्लेखनीय बढ़त मिलने के आसार बताये गये हैं।

सी-वोटर सर्वे के अनुसार, आप संभावित रूप से 51 प्रतिशत से अधिक वोट पाकर महत्वपूर्ण विजय की स्थिति में प्रतीत हो रही है। लेकिन प्रतिक्रिया देने वाले 41 प्रतिशत लोगों ने सरकार बदलने को अपनी प्राथमिकता बताया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट बताती है कि सी-वोटर ने जिन 3,200 लोगों का सर्वे किया है, उनमें से करीब आधे लोगों का कहना है कि वे वर्तमान सरकार से संतुष्ट हैं।

सी-वोटर के संस्थापक यशवंत देशमुख के अनुसार, आप का पलड़ा, विशेष रूप से महिलाओं में, काफी भारी दिखाई दिया है। ''न्यूज़ तक'' को दिये गये एक इन्टरव्यू में उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण में शामिल 100 में से 80 महिलाएं आज भी आप के समर्थन में हैं। इसके अलावा, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने वाली 65 प्रतिशत महिलाओं में करीब 25 प्रतिशत महिलाओं का झुकाव अब आप की तरफ है। इसी प्रकार, पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को वोट देने वाली महिलाओं में से 75 प्रतिशत महिलाओं की निष्ठा अब आप के प्रति हो गई है।

देशमुख ने आप की लोकप्रियता का श्रेय उसकी कल्याणकारी योजनाओं की सतत क्रियान्विति को दिया। उन्होंने रॉयटर्स को बताया, ''दिल्ली में विभिन्न प्रकार की छूटों की क्रियान्विति का टैक रिकॉर्ड अच्छा रहा है।''

नैशनल कॉनफेडरेशन ऑफ दलित एंड आदिवासी ऑर्गनाइज़ेशन्स (एनएसीडीएओआर) पूरी दिल्ली में 6,256 लोगों, जिनमें 2,574 महिलाएं शामिल हैं, का सर्वे किया। सर्वे के परिणाम आप के लिये दलित मतदाताओं का जबरदस्त समर्थन बता रहे हैं। यह सर्वे दर्शाता है कि 35 विधानसभा क्षेत्रों के दलित आप के पक्ष में हैं, तथा भाजपा और कांग्रेस को क्रमशः 28 और 7 सीटें मिलने का अनुमान है।

कुल मिलाकर, प्रतिक्रिया देने वाले 44 प्रतिशत दलितों ने आप, 32 प्रतिशत ने भाजपा और 21 प्रतिशत दलितों ने कांग्रेस के समर्थन की बात कही है। सर्वे में यह भी सामने आया है कि दलित ऐतिहासिक रूप से इंडिया ब्लॉक के साथ रहे हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्तर पर आप और कांग्रेस शामिल हैं, किन्तु ये दोनों पार्टियाँ दिल्ली विधानसभा चुनावों में आमने-सामने हैं।

फलौदी सट्टा बाज़ार की भविष्यवाणी में शुरु में आप को पूर्ण बहुमत मिलना बताया गया था तथा कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमुना में ज़हर वाले बयान पर केजरीवाल मुश्किल में

- चुनाव आयोग ने केजरीवाल को नोटिस भेजकर कहा, यमुना के पानी में ज़हर है, इसका सबूत दीजिए।

नई दिल्ली, 28 जनवरी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को हरियाणा की भाजपा सरकार पर यमुना के पानी को जहरीला करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद चुनाव आयोग ने अरविंद केजरीवाल को नोटिस भेजा है और कल यानी बुधवार तक सबूत देने को कहा है। चुनाव आयोग ने आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने यमुना नदी में जहर डालने और सामूहिक नरसंहार के अपने गंभीर आरोपों को तथ्यों के साथ साबित करने को कहा है। ईसीआई ने विभिन्न न्यायिक घोषणाओं और कानूनी प्रावधानों का हवाला दिया जिसके तहत राष्ट्रीय एकता और सार्वजनिक सद्भाव के खिलाफ शरारती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फैडरेशन ऑफ इण्डियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री ने 150 राष्ट्रीय स्तर की कम्पनियों का सर्वे किया, आगामी बजट के बारे में

सर्वे के अनुसार, इन कम्पनियों का देश की ''ग्रोथ'' के बारे में काफी आशावादी सोच नज़र आया

- 60 प्रतिशत कम्पनियां मानती हैं कि देश की जीडीपी की ग्रोथ 6.5 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत तक रहेगी, 2025-26 वित्तीय वर्ष में।
- उद्योग क्षेत्र के लोगों की एक ही मांग है, ''ईज़ ऑफ डूईंग बिज़नैस'' और बेहतर होनी चाहिए, जैसे उद्योग के लिये भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया, श्रम संबंधी कानून-कायदे तथा बिजली की उपलब्धि आदि।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 28 जनवरी। वर्ष 2025-26 के केन्द्रीय बजट से पूर्व भारतीय व्यापार व उद्योग जगत बेहद आशान्वित और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। फैडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री (एफ. आई. सी. सी. आई.) अर्थात फिक्की द्वारा करवाए गए एक सर्वे से यह बात पता चली है। देश भर के विभिन्न सैक्टर्स की 150 कंपनियों के जवाबों से मध्यम दर्जे की आर्थिक ग्रोथ धीमे होने के बावजूद कॉरपोरेट जगत की उम्मीदों को उजागर हुई हैं।

सर्वे में शामिल होकर प्रतिक्रिया देने वाले कुल लोगों में से 64 प्रतिशत ने भारत की ग्रोथ की दिशा पर भरोसा जताया है तथा 60 प्रतिशत ने 2025-26 में ग्रोथ रेट 6.5 से 6.9 प्रतिशत रहने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। हालांकि यह 2023-24 की ग्रोथ रेट 8 प्रतिशत से कम है, पर यह कमी बाहरी इकोनौमिक कारकों की वजह से है।

सर्वे में शामिल लोगों ने फिस्कल कंसोलिडेशन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना की। लगभग 47 प्रतिशत ने माना कि 2024-25 का 4.9 प्रतिशत राजकोषीय घाटा लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। 24 प्रतिशत ने इससे भी बेहतर हालात की उम्मीद जताई।

सर्वे का एक प्रमुख निष्कर्ष यह था कि सार्वजनिक पूंजी व्यय को बनाए रखने की सभी ने जोरदार अपील की। लगभग 68 प्रतिशत ने कैपिटल निवेश पर सतत फोकस बनाए रखने का समर्थन किया तथा 2025-26 वित्त वर्ष के लिए न्यूनतम 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ पूंजी निवेश पर निरंतर ध्यान केन्द्रित करने की सिफारिश की, जिसे ग्रोथ की निरन्तरता के लिए जरूरी माना गया।

व्यापार करने में आसानी (ईज़ ऑफ डूईंग बिजनैस) को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया गया, विशेष रूप से भूमि अधिग्रहण, श्रम नियमों और बिजली आपूर्ति जैसे क्षेत्रों में। उत्तरदाताओं ने अगले पीढ़ी के सुधारों के लिए मार्गदर्शन की उम्मीद जताई, जिस पर पिछले बजट में संकेत दिया गया था।

उपभोग की मांग में कमी एक चिंता के रूप में उभर कर सामने आई।

उद्योग जगत के कई लोगों ने प्रत्यक्ष कर संरचना की समीक्षा करने का आग्रह किया, जिसमें आयकर स्लैब और दरों में संशोधन करने की सिफारिश की गई, ताकि खर्च को बढ़ावा दिया जा सके और आय में वृद्धि हो सके।

कर व्यवस्था को सरल बनाना पर्यावरण के अनुकूल टैक्नॉलजी को प्रोत्साहन देना, और डिजिटलीकरण के माध्यम से अनुपालन बोझ कम करने को महत्वपूर्ण उपाय के रूप में रेखांकित किया गया। सहभागियों ने कस्टम ड्यूटी प्रणाली में सुधार, टैक्स डिडक्शन एट सोर्स (टीडीएस) प्रावधानों के समायोजन की आवश्यकता भी बताई।

इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण (विशेष रूप से उद्योग 4.0), और ग्रामीण विकास को ध्यान केन्द्रित करने के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के रूप में चिन्हित किया। लगभग चालीस प्रतिशत ने एमएसएमई क्षेत्र का समर्थन करने के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाता है। प्रमुख सुझावों में क्रेडिट तक सुगम पहुंच और प्रौद्योगिकी और प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहन देना शामिल था।

निर्यात प्रतिस्पर्धा प्रमुख रूप से उभरी और उत्तरदाताओं ने माल परिवहन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या पर 5 करोड़ ने किया संगम स्नान

- मेला प्रशासन ने बताया, मंगलवार शाम तक 4.6 करोड़ लोग स्नान कर चुके थे। रात तक यह संख्या 5 करोड़ पहुँच जाने का अनुमान है।

महाकुंभ नगर, 28 जनवरी। आस्था के महाकुंभ में मौनी अमावस्या की पूर्व संध्या पर मंगलवार को संगम में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या पांच करोड़ के करीब पहुंचने का अनुमान है। मेला प्रशासन का अनुमान है कि मौनी अमावस्या के अवसर पर अमृत स्नान करने वालों की संख्या दस करोड़ तक जा सकती है। मंगलवार देर शाम तक 4.64 करोड़ लोगों ने संगम स्नान किया था और रात

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)